भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान
ICAR- National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics
पोस्ट बॉक्स 6450, यलहंका, बेंगलुरु 560064, कर्नाटक

थनैला

थनैला अर्थात पशुओं के थन की सूजन। इस रोग में दूध में कमी के साथ साथ उसकी गुणवत्ता भी खराब हो जाती है जिससे पशुपालको को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसके अलावा, ऐसे दूध को पीने से मनुष्य में तपेदिक, गले में खराश, एव विषाक्त भोजन की बीमारियों भी हो सकती है। यह रोग विभिन्न प्रकार के संक्रामक जीवाणु, विषाणु और कवको द्वारा होता है जिनमे प्रमुख है स्ट्रेप्टोकोकस, स्टाफीलोकोकस, ई कोलाई, एसपरजिलस, कैंडिडा, क्रिप्टोकोकस और माइकोप्लाज्मा।

प्रमुख कारक

- थनो और निप्पलों पर चोट पर लगाना
- अधिक उच्च दुग्ध उत्पादन का पशु
- अधूरा या अनियमित दुहान करना
- अनुचित दुहान तकनीक
- लटकता हुआ थन और लंबे बेलनाकार निपल
- पशु बेड़े के फर्श की मैली स्थिति
- गंदे मिल्किंग मशीन का उपयोग करने से

लक्षण

- बुखार (ज्वर)
- चारा कम खाना
- दुध कम देना
- थनो में गर्म और दर्दनाक सूजन
- दूध का पीले, भूरे या लाल होना
- दूध में थक्को का दिखाई देना
- ऐसे दूध गर्म करने पर फट जाते है
- अधिक अवस्था में थनों का फाइब्रोसिस हो जाती है जिसमे से मुश्किल से दूध निकलता है

उपचार

- **थनैला के लक्षण दिखाई देने पर उपचार के लिए अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे**
- उपचार से पहले थनों का दुध दुहकर पूरी तरह से खाली कर दे
- अगर थनों में दवा लगाइ गयी हो तो दूध का 72 घंटे तक उपभोग नहीं करना चाहिए
- सूजन को कम करने के लिए एंटी एंफ्लेमेटरी दवा का ईंजेक्सन लगाए
- मैग्नीशियम सल्फेट के साथ थनों की गर्म सेंकाई करने से सूजन में राहत मिलती है

नियंत्रण

- प्रभावित पशुओं को अलग करके इनका इलाज करना चाहिए
- दुहने से पहले साबुन से हाथो को अच्छी तरह से धोना चाहिए
- स्वस्थ पशुओं को संक्रमित पशुओं से पहले दुहना चाहिए
- दूध दुहने के बाद एंटीसेप्टिक जैसे लाल दवा में निपलो को डुबाना चाहिए
- दुहान शेड के फर्श को पानी से धोना चाहिए
- निप्पल के घावों का तुरंत उपचार किया जाना चाहिए
- मक्खियो के नियंत्रण का उपाय करना चाहिए
- शेड में बिझावन मे नरम पुवाल का प्रयोग करना चाहिए

*****

संकलित और संपादित
डॉ. बी. आर. सोम, डॉ. अवधेश प्रजापति, डॉ. योगीशराध्या आर., डॉ. जी. एस. देसाई, डॉ. मुदासिर चंदा, डॉ. जी. गोविन्दराज

प्रकाशक
निदेशक
भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, पोस्ट बॉक्स-6450, यलहंका, बेंगलुरु-560064, कर्नाटक
फोन: 080-23093110, 23093111 फैक्स: 080- 23093222, वेबसाईट: www.nivedi.res.in, ईमेल: director.nivedi@icar.gov.in
2016